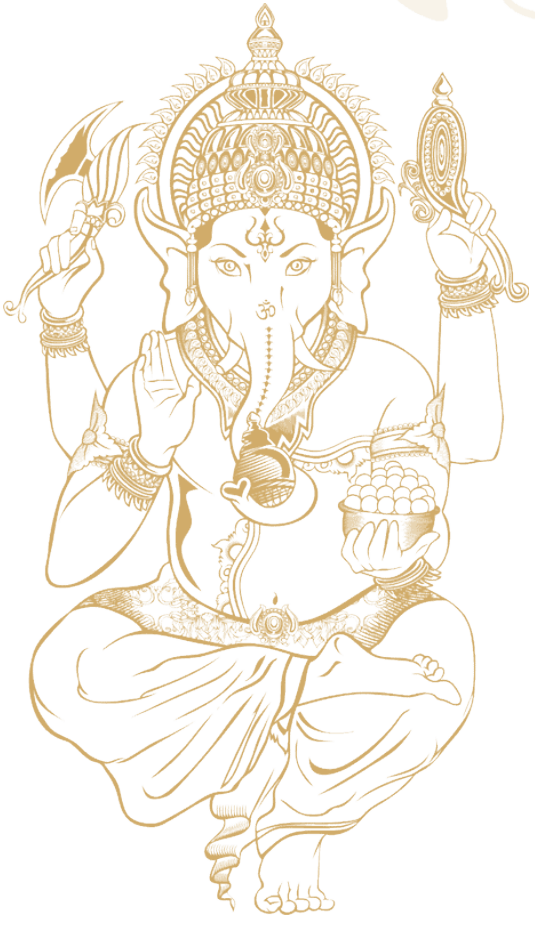

Balraj Sagar

12 May 2004

04:48 PM

Kanpur

Model: web-freekundliweb

Order No: 121241407

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**12/05/2004**
दिन	बुधवार
जन्म समय	**16:48:00 घंटे**
इष्ट	28:34:23 घटी
स्थान	**Kanpur**
राज्य	Uttar Pradesh
देश	India

अक्षांश	26:28:00 उत्तर
रेखांश	80:41:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:07:16 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	16:40:44 घंटे
वेलान्तर	00:03:40 घंटे
साम्पातिक काल	08:03:00 घंटे
सूर्योदय	05:22:14 घंटे
सूर्यास्त	18:45:22 घंटे
दिनमान	13:23:08 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	ग्रीष्म
सूर्य के अंश	28:08:43 मेष
लग्न के अंश	03:28:50 तुला

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	तुला - शुक्र
राशि-स्वामी	**कुम्भ - शनि**
नक्षत्र-चरण	**शतभिषा - 2**
नक्षत्र स्वामी	राहु
योग	ऐन्द्र
करण	गर
गण	राक्षस
योनि	अश्व
नाड़ी	आद्य
वर्ण	शूद्र
वश्य	मानव
वर्ग	मेष
युँजा	अन्त्य
हंसक	वायु
जन्म नामाक्षर	सा-सात्विक
पाया(राशि-नक्षत्र)	रजत - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	वृष

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			तुला	03:28:50	317:57:22	चित्रा	4	14	शुक्र	मंगल	शुक्र	---
सूर्य			मेष	28:08:43	00:57:56	कृतिका	1	3	मंगल	सूर्य	चंद्र	उच्च राशि
चंद्र			कुंभ	10:46:54	13:18:12	शतभिषा	2	24	शनि	राहु	शनि	सम राशि
मंगल			मिथु	09:19:16	00:38:00	आर्द्रा	1	6	बुध	राहु	गुरु	शत्रु राशि
बुध			मेष	02:29:49	00:50:11	अश्विनी	1	1	मंगल	केतु	शुक्र	सम राशि
गुरु			सिंह	15:04:54	00:01:20	पू०फाल्गुनी	1	11	सूर्य	शुक्र	शुक्र	मित्र राशि
शुक्र			मिथु	01:39:34	00:12:09	मृगशिरा	3	5	बुध	मंगल	बुध	मित्र राशि
शनि			मिथु	16:01:47	00:06:04	आर्द्रा	3	6	बुध	राहु	शुक्र	मित्र राशि
राहु			मेष	17:17:29	00:00:19	भरणी	2	2	मंगल	शुक्र	चंद्र	शत्रु राशि
केतु			तुला	17:17:29	00:00:19	स्वाति	4	15	शुक्र	राहु	शुक्र	सम राशि
हर्ष			कुंभ	12:32:15	00:01:24	शतभिषा	2	24	शनि	राहु	शनि	---
नेप			मक	21:28:19	00:00:10	श्रवण	4	22	शनि	चंद्र	शुक्र	---
प्लूटो	व		वृश्चि	27:44:30	00:01:19	ज्येष्ठा	4	18	मंगल	बुध	गुरु	---
दशम भाव			कर्क	04:42:40	--	पुष्य	--	8	चंद्र	शनि	शनि	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:54:53

लग्न-चलित

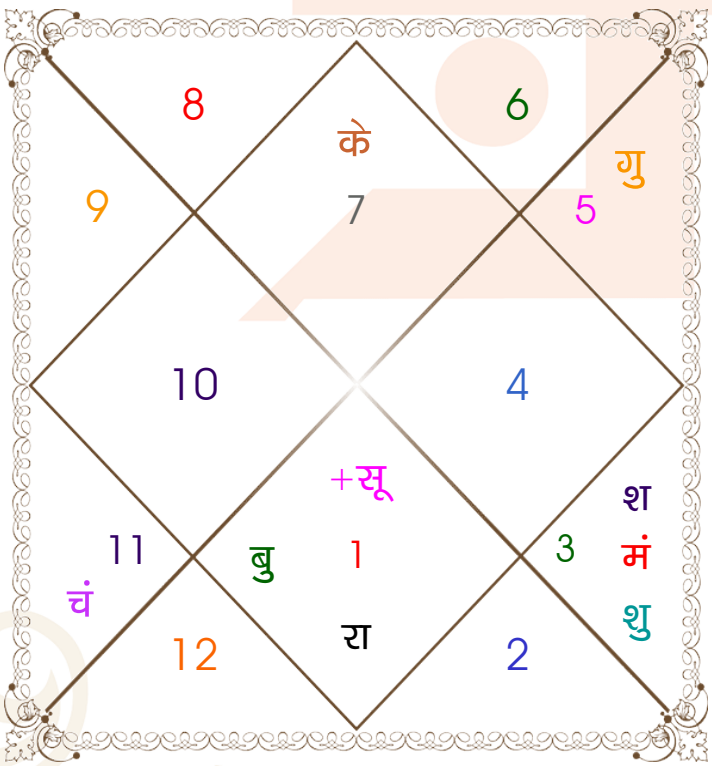

चन्द्र कुंडली

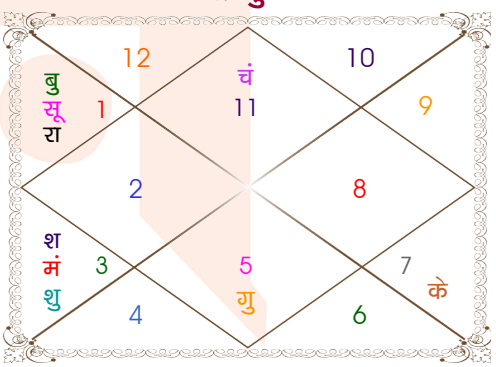

नवमांश कुंडली

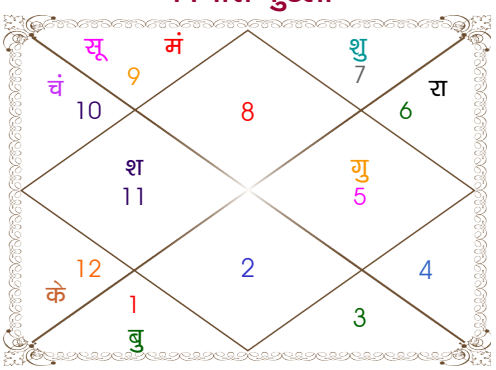

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : राहु 12 वर्ष 5 मास 10 दिन

राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष	
12/05/2004		22/10/2016		22/10/2032		22/10/2051		22/10/2068	
22/10/2016		22/10/2032		22/10/2051		22/10/2068		22/10/2075	
	00/00/0000	गुरु	10/12/2018	शनि	25/10/2035	बुध	20/03/2054	केतु	20/03/2069
	12/05/2004	शनि	22/06/2021	बुध	05/07/2038	केतु	17/03/2055	शुक्र	20/05/2070
शनि	04/10/2006	बुध	28/09/2023	केतु	13/08/2039	शुक्र	15/01/2058	सूर्य	25/09/2070
बुध	22/04/2009	केतु	03/09/2024	शुक्र	13/10/2042	सूर्य	22/11/2058	चंद्र	26/04/2071
केतु	11/05/2010	शुक्र	05/05/2027	सूर्य	25/09/2043	चंद्र	22/04/2060	मंगल	22/09/2071
शुक्र	11/05/2013	सूर्य	21/02/2028	चंद्र	25/04/2045	मंगल	19/04/2061	राहु	09/10/2072
सूर्य	04/04/2014	चंद्र	22/06/2029	मंगल	04/06/2046	राहु	07/11/2063	गुरु	15/09/2073
चंद्र	04/10/2015	मंगल	29/05/2030	राहु	10/04/2049	गुरु	12/02/2066	शनि	25/10/2074
मंगल	22/10/2016	राहु	22/10/2032	गुरु	22/10/2051	शनि	22/10/2068	बुध	22/10/2075

शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष	
22/10/2075		22/10/2095		23/10/2101		23/10/2111		23/10/2118	
22/10/2095		23/10/2101		23/10/2111		23/10/2118		00/00/0000	
शुक्र	21/02/2079	सूर्य	09/02/2096	चंद्र	23/08/2102	मंगल	21/03/2112	राहु	05/07/2121
सूर्य	21/02/2080	चंद्र	10/08/2096	मंगल	24/03/2103	राहु	08/04/2113	गुरु	29/11/2123
चंद्र	22/10/2081	मंगल	15/12/2096	राहु	22/09/2104	गुरु	15/03/2114	शनि	13/05/2124
मंगल	22/12/2082	राहु	09/11/2097	गुरु	22/01/2106	शनि	24/04/2115		00/00/0000
राहु	22/12/2085	गुरु	28/08/2098	शनि	24/08/2107	बुध	20/04/2116		00/00/0000
गुरु	22/08/2088	शनि	10/08/2099	बुध	22/01/2109	केतु	16/09/2116		00/00/0000
शनि	22/10/2091	बुध	17/06/2100	केतु	23/08/2109	शुक्र	16/11/2117		00/00/0000
बुध	22/08/2094	केतु	23/10/2100	शुक्र	24/04/2111	सूर्य	24/03/2118		00/00/0000
केतु	22/10/2095	शुक्र	23/10/2101	सूर्य	23/10/2111	चंद्र	23/10/2118		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल राहु 12 वर्ष 5 मा 28 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म चित्रा नक्षत्र के चतुर्थ चरण में तुला लग्नोदय काल हुआ था। उस क्षण मेदिनीय क्षितिज पर तुला लग्न के साथ-साथ वृश्चिक नवमांश एवं तुला द्रेष्काण भी उदित था। जो यह संकेत देता है कि आप सदैव मात्र विलासिता संबंधी विषयों के प्रति रुचिवान रहेंगे। मुख्यतः वासनात्मक विलास प्रियता आप में विद्यमान रहेगा। आप अपनी पत्नी के साथ आनंद प्राप्ति में अभिभूत रहेंगे। यह संभाव्य है कि आप काम कला की उच्च शिक्षा प्राप्ति हेतु अथवा प्रसार हेतु प्रयत्नशील रहेंगे। यह संभाव्य है कि आप कामसूत्र के विशेषज्ञ हो जाएं।

संप्रति यदि आपके लिए कार्य है तो वह कार्य घर से संबंधित है। आप अपने शयन कक्ष को अति आकर्षक बनाने के संबंध में सदैव चिंतित रहेंगे। आप अपनी पत्नी की प्रीति में पूर्ण समर्पित रहकर, पत्नी के आकर्षक के कारण एवं विलासिता संबंधी प्रसन्नता हेतु कुछ भी संभव उपाय करने के लिए सीमोलंघन भी कर सकते हैं। संप्रति आप अपनी संगिनी के प्रति अत्यन्त समर्पित हैं।

आप पूर्णरूपेण अश्वस्त होंगे कि आपको एक अच्छी जीवन संगिनी प्राप्त हुई है। आप अपनी पसंद तथा इच्छानुरूप मिथुन अथवा कुंभ राशि की जीवन संगिनी का चयन करें तथा कर्क, मकर एवं मीन जल तत्व राशि की संगिनी का त्याग करें। आपके लिए यह अनिवार्य है कि आपका घरेलू जीवन सुव्यवस्थित हो। यदि संयोगवश आप अपनी जीवन संगिनी के साथ समान तारतम्य नहीं रहा तो अप्रियता एवं दुःखद अनुभव करेंगे। इस प्रकार आपका पारिवारिक जीवन किसी संभावित घटना के कारण असंतुलित हो जाय तथा आपका संपर्क का परित्याग हो जाए। पुनः आप किस प्रकार गृह व्यवस्था सुनिश्चित करेंगे।

आपके जीवन का अन्य रुचिकर विषय आपके मित्र से संबंध स्थापित करने का है। आपकी इच्छा रहती है कि आपके अच्छी मित्र मण्डली हो। जिसके सहयोग के लिए आप सतत कुछ भी करने के तत्पर रहेंगे। आपका अन्य पक्ष यह है कि आप अपने स्तर से अपने मित्रों को प्रस्तुत करेंगे। वास्तविकता तो यह है कि आपके दृष्टिकोण में ऐसा है कि ये मित्र आपके लिए पीठ की हड्डी अर्थात् रीढ़ की भांति प्रमाणित होंगे।

आपके जन्म संयोजन में चित्रा नक्षत्र एवं तुला जन्म लग्न के प्रभाव से आप अत्यंत ही लाभ एवं जीवन की सभी सुविधाओं से युक्त रहेंगे, परंतु वृश्चिक नवमांश के कुप्रभाव से जहां तक हो अड़चन बाधाओं से युक्त परिस्थिति भी हो सकती है। इस प्रकार की परिस्थिति अन्त में आपकी बाधाओं से मुठभेड़ करा सकती है जो आपके शारीरिक अंगों में रोग उत्पन्न करा कर आपकी समृद्धि में बाधक बन जाएं। अतएव आपके लिए अति अनिवार्य है आप गुप्त रोग जनित कार्य से विक्षिप्त प्रभाव के कारण यह संभाव्य है कि आपको मुंह छिपाना पड़े। अतः आप मंगलवार के दिन उपवास रहने का प्रयास करें-यह आपके स्वास्थ्य के लिए सहायक होगा।

आप व्यक्तिगत रूप से सक्रियता पूर्वक आप में यह क्षमता विद्यमान है कि आप अपनी शक्ति सम्पन्नता का अच्छा प्रभाव अपने गुणों के अनुसार किसी भी क्षेत्र में अनिवार्य रूप से सफलता प्राप्त कर सकते हैं। आप कठिन श्रम करने के लिए सुनिश्चित कर सम्पन्नता का

लाभांश यथा धन प्राप्ति के अतिरिक्त भूमि भवन का लाभ प्राप्त कर सकते हैं।

आपको इस प्रकार की आदतों का परित्याग कर सुख आराम की प्राप्ति हेतु व्यवसायिक प्रवृति से पृथक करना चाहिए। आपको प्रेम-प्रसंग हेतु आपने समय का दुरुपयोग नहीं करना चाहिए।

आपको अपनी उन्नति हेतु सही तरीके से किस प्रकार सरकारी अधिकारी को प्रभावित करने के लिए किस प्रकार का प्रभावशाली बातचीत कर सके। यह जानते हैं। आप अपने लिए कार्य व्यवसाय में ट्रांसपोर्टर का कार्य, औषधि का व्यवसाय एवं कांट्रेक्टर का कार्य कर सकते हैं।

आप किसी भी व्यक्ति के साथ संगठित हो कर अच्छी प्रकार मिलजुल कर साथियों के मध्य प्रख्यात हो जाते हैं। आप धैर्य पूर्वक विनोद प्रिय एवं आनंददायक बाते करके प्रसन्नता प्रदान करते हैं। इस प्रकार आप अपने स्वभाव को क्षति कर सकते हैं तथा जब किसी प्रकार की घटना क्रम में आप हिंसात्मक प्रवृति के हो जाते है। आप इस प्रकार की प्रवृति के प्रति शिक्षा ग्रहण कर विपरीत स्थिति के प्रति अपने में बदलाव करें। इस प्रकार की मनोवृति को रोकना उत्तम होगा। क्योंकि आपकी यह आदत हानिकारक है। आप अपने जीवन के इन तथ्यों पर विचार नहीं कर सके तो आपकी बहुत बड़ी क्षति होकर आपकी वृद्धावस्था आर्थिक रूप से प्रभावित हो जाएगा। आप इस प्रकार की समर्पित भावनाओं को नियंत्रित कर लें। इसलिए कि आप को अपना संपूर्ण जीवन आरामदायक ढंग से बिताना है।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन शनिवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरुवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। बुधवार आप के लिए मध्य फलदायक है।

आपके लिए अंको में अनुकूल अंक 1, 2, 4, 7 एवं 8 अंक उत्तम है। इसके अतिरिक्त अंक 3, 5, 6 एवं 9 अंक उपयुक्त नहीं है।

रंगों में आपके लिए हरा, पीला रंग, आपके लिए रूचि कर एवं व्यवस्थित रंग है। परंतु रंग सफेद लाल, नारंगी आपके लिए अनुकूल एवं शुभ है।